TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4381**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

रागप्रभाति बिलावर॥ कोइ्या समदक रामरूपी या माला॥ संबरूपा तिलेधाड॥ नजनग
मबलकुंतजकरममनकु॥ बेबोपारतगाइ॥ नज॰१॥ श्रीकडि॥२॥ पांचुनदी आ आयपग
दरी आविबनाइनारीय॥ कोधमा ममगरमछदी यछ॥ कोतजद पटतेजाइ॥ नज॰२॥ सु
मतघाटसुमतारसपडी॥ बिमलतह रहे नारी॥ नावकुनावदोयमो नवा औछे॥ कमपारज
तारी॥ नज॰३॥ सुबदनावसतगुरुमबटीया॥ नकसंगहोयजाइ॥ पुरोगुरसीपारज
तार॥ लोनादे रहवीइ॥ नज॰४॥ चारचोकीआपीहनायतनारी॥ कलसकमटतेजाइ॥ सीत
बनाछकोसिपाइ॥ बिमावदगतेयजाइ॥ नज॰५॥ चारदेसचोरा मीगला॥ बिसमता चाम
तजाइ॥ ससमीरोमलमायतीयोहू॥ जोलमारगदीछोबताइ॥ नज॰६॥ आरामा नवबदपु
रबनो॥ दनादसतेदसुणइ॥ बारतेदसपतपीन॥ करमकंठणहटजाइ॥ नज॰७॥ बिसावन
मधावनसुभाया॥ साधबकृतजीहाजाइ॥ सिख्या मिहम रमदियाथो॥ पनमत्रा नदसुमन
इ॥ नज॰८॥ दांन सिलसवनावनीनावो॥ जीवदयाचितलाइ॥ चवदनेम हिरयामिधारो
मुकतपुरीसुषपाइ॥ नज॰९॥ सजतमगावचरसजलमा॥ बिदावनसुमदाइ॥ मावसुख
मीसुरथबिचारो॥ सराबगलागवाइ॥ नज॰१०॥ हरिसंपुरण॥ हाथ्य जोरी नककरवीनती
नीचीसासनमाइ॥ जमसरुमसाल मजानबे॥ एकम्पानलवलेई॥ नज॰११॥ [illegible]
[illegible]॥ मुनवर आरजसुह
स॥ किलसकुमबमवे॥ मखरीकजेलणआबीआल॥ चरुणकरणबुतभर॥ गुलमलआजर
नकमरनारेमरजस्याल॥ [illegible]॥ बनवा मीलिसरांम॥ नेमतिहारहया॥ दीयमुनी नगरवछ
नी आल॥ घांनकमागलकाज॥ मुनवरु मालेता॥ नफानद्यरिसमानी आत॥ [illegible]॥ सीगाल
कहतांम॥ सिषमतुरिकेहमा॥ कस्मकाजेआव्याइहाल॥ आरजसुहसतनासीस॥ त्रमेठु
थानिका॥ जदसां नगुकछेतिहाल॥ [illegible]॥ मागुठेतुममास॥ रहिनाबांनक॥ फासुकडसेदि

1

अवंती सु
कमाल
३

दीठडी ॥ जो हमसा लेवि सामे आवी नावसुं ॥ आवी इहां रही जीए ॥ ७ ॥ समर वारस मिला
र ॥ आचारज तिहां ॥ आवी रह्या सुखे सदाए ॥ नलनी गुल्म विमान अध्येन ॥ पढे नली निस
समे ॥ गुणे आचारज एक दाए ॥ ५ ॥ जिहां सुत गुण वंत ॥ सुभा सुरी वस ॥ रूप वंत रली आ
मणोए ॥ अवंती सुकमाल ॥ सतम भूमिका ॥ मांहे सुख विलसे सेलिहोए ॥ ६ ॥ निरुपम न
नि वसी स ॥ रूप स्नमव रा ॥ सविस्त नी आगलो वनीए ॥ कहे जिन हरख विनोद ॥ परम प्रमोद
सु ॥ नीला नी संप्रतिघणीए ॥ ७ ॥ ढाल ॥ राग ॥ नयारी ॥ हिवे कुमर लीजैं गुणि इक लोढहाल ॥ सफ करेस
र सुनिवर करे रे ॥ सुत्र त णी सिज्झाय ॥ मन लै सुर सांभली ॥ होजी आड कुमर नै दाय ॥ ८ ॥
अवंती सुकमाल सुणे सुत्र त्राय ॥ विमस मनमाई तजी कसा ॥ होजी तन मन वचन लगाय
॥ आं० ॥ अांकणी ॥ ए सुख मैं किहां आगले जमार ॥ जे कहे मुनिराय ॥ कुमर करे मन सोचना ॥ हो
जी रोम रोम उल्लसित थाय ॥ ९ ॥ आं० ॥ इम चिंतवता उपनो ॥ जाति समरण ग्यान ॥ आवे
तिहां उतावलो ॥ होजी अरतो मन न सुखधान ॥ १० ॥ आं० ॥ गुरु ना चरण नमी करी ॥ बे कर जोड
नै कोय ॥ न गवन नग्र सुत सुधा ॥ होजी पूछे बे कर जोड ॥ ११ ॥ आं० ॥ नलिनी गुल्म विमान ना
सुख सुं जाणो केम ॥ गुरु कहे जिन वचन थी ॥ होजी हमे जाणु ते एम ॥ १२ ॥ आं० ॥ गुरु वचन
कुमर मो र ॥ नलिनी गुल्म विमान ॥ जे सुर सुख सुं सोर ॥ होजी जाती समरण ग्यान
॥ १३ ॥ आं० ॥ ते सुख कहो किम पामीये रे ॥ किम जइये तिण ठाम ॥ कृपा करी मुझ ने कहो ॥ हो
जी मांहरे तेहसु काम ॥ १४ ॥ आं० ॥ ए सुख सुं मन लागी रह्यो रे ॥ अहु नव सर सुं मान ॥ मा रो मन
न किम गमे ॥ होजी जिण को थाय एम ॥ १५ ॥ आं० ॥ ए तन लोदिन दुजा णत नेर ॥ मैं सुख लहन
थी कार ॥ मुझ मन रहेको ड नही ॥ होजी सुखी थोड सम मार ॥ १६ ॥ हिव मैं जाणी आ कार मोर ॥ ए
सुख फल किम पाक कहो ॥ जिण हरख मति कैं ॥ होजी किम पामु एसाक ॥ १७ ॥ आं० ॥ ढाल
१ ही मीरीया नी ॥ संजम थी सुख पामीये ॥ जो ले तु मेनिरधार ॥ कुमर जी ॥ सुर सुख नो

कहिवो किसुं ॥ लहीये सिव सुख सार ॥ कु० ॥ १८ ॥ ए संजम ॥ काग नी बोली रथ करे ॥ मर
हर मा ठी दाम ॥ कु० ॥ नलिनी गुल्म विमान ना ॥ मुझ मन बेंप्रति लाग ॥ सुगुरुजी ॥ २० ॥ सं०
तेहनी मुझ सुं कर सया ॥ श्री गुरुजी आचार ॥ सु० ॥ दीक्षा किसी हिवे जी घो ॥ देवो व्रत सु
पवित्र ॥ सु० ॥ २१ ॥ श्री आचारज इम कहे ॥ आजी अजी छे तुं बालो ॥ कु० ॥ तुं लीला नो लाडलो
के लायर सुकमाल ॥ कु० ॥ २२ ॥ सं० ॥ दीख्या इक रमाल ॥ मरो कठिन विहार ॥ कु० ॥ मां
थे मेरु उपाडवो ॥ नर वोकोलिय अपार ॥ कु० ॥ २३ ॥ सं० ॥ कुमर कहे प्रभु सांभलो ॥ इम वि
ण सुख किम होइ ॥ सु० ॥ सुखे बहु सुख दुख बे ॥ तेतो इम नहीं कोइ ॥ कु० ॥ २४ ॥ सं० ॥ मन
नग डी तन करी ॥ लोह लि लग कुण काय ॥ कु० ॥ आगनि ज्वाल कुण सहि सके ॥ इक रथ व्रत निर
भाइ ॥ कु० ॥ २५ ॥ सं० ॥ तप कर माया सि का करी ॥ सहिला पवनी सरीखो र ॥ कु० ॥ कहे जिण
हरख मुनि तप ॥ हण मां करम कठोर ॥ कु० ॥ सं० ॥ २६ ॥ ढाल ॥ नोकार भणी ॥ करजोडी आग
ल रही र ॥ कुमर कहे इम वाण ॥ सुगुरु जी सुं दो हिवे लोर ॥ जे आगम निज प्राण ॥ १ ॥ सुनी स
र मा हरै न रह सुकाम ॥ नमत हो रहा नवि कहे बेर ॥ ए विविध मरण सम कांति ॥ सु० ॥ २ ॥ सांचा
सगुण जीवन कुतार ॥ का यासकु सुमति हे ॥ मानन थवण परण थाही थे र ॥ जो फिर सु करि निस
देह ॥ ३ ॥ सु० ॥ इक रव रत विर मानेतो र ॥ तेतो मै तप माय ॥ वर तल लेइ त्रण सल कर ते र
कसूम लेव जिन [illegible] ॥ ४ ॥ सु० ॥ जो वतले इ समुरु कहे रे ॥ ते सांभल महा लाग ॥ घर ज
निज घर जाय नीर ॥ लो सुख नहीं तमांग ॥ ५ ॥ सु० ॥ घरे आवी मातानी र ॥ अवंती सुकमाल ॥ को
मल वयणे बीनवे रे ॥ वर लेनमाडी नाल ॥ ६ ॥ मा० ॥ जननी सहो व्रत आदर ते र ॥ आर जा सु
तिगुरु पास ॥ निजनर नल सफ लो करू र ॥ मुझ मांहरी आस हे मायडी ॥ ७ ॥ मा० ॥ सुर मन रस
लेन ही र ॥ विण लाभी ले जाय ॥ काल नर किसी आव सीर ॥ मरण न कोइ थाय हे ॥ मायडी ॥ ८
जिन वर्णवीयं जर व नीर ॥ ले वेइ मनि सरही स ॥ मनी सो मा आवे जोर ॥ विण दुःखि सनाखी मरै ॥ ९ ॥ मा०
॥ ए मुझ बंधन वि गमीर ॥ दीनी मिलन सुहाय ॥ कहे जिण हरख मति गंजिन जीर ॥ सुखी थे 2

अवंती सुकमाल की चौपइ २

करतिरमाधरा॥मा० ॥ १ ॥ ढाल मनी ॥ माअवकहे बडसौजलो ॥ मातसुणोमीलसीर ॥ सोआदेश
कमानही ॥ अनुमतकीइंनदेसीर ॥ १ ॥ माअवकहेबडसौजलौ ॥ आंकणी ॥ बूलस्यो तुम्हें नानन्हा
रसीनालअकामीर ॥ घरआयइलुणातनी ॥ तेकिमनकीजेहामीर ॥ २ ॥ मा० ॥ किणककरतमीक
नीयो ॥ किणजुरवीसिरजमीर ॥ बोलेअवलो बोलतनी ॥ हीमडतिमुखजांमीर ॥ ३ ॥ मा० ॥ तुंनिम
दिनसुखमांरहयो ॥ जीतीतालनजांणीर ॥ चारत्रतीछेदोहेलो ॥ कुमलेताछेसाणीर ॥ ४ ॥ मा० ॥ नुपवि
आनमामीनंके ॥ पांणीकलिपिणजाथार ॥ अरसनिरसजलजीमणा ॥ आलनीछेकायार ॥ ५ ॥ दूहा
लोकोमनलेरेसमी ॥ सोजोसोदलनाडर ॥ फासंथारीमाधरी ॥ तुमसुणजोछेनाडर ॥ मा० ॥ दू ॥
आगमसुखराम्हरण ॥ आगाढिनरनबलौर ॥ तिहांतोमनलाकायम ॥ तेहबानहींजलोरे ॥ ६ ॥ मा०
मात्रेलोचकरावलो ॥ रहिनेमनिलनमदाइर ॥ तमकरआसमालिआकरा ॥ अरवोमनमलानकाइ
रे ॥ ७ ॥ मा० ॥ कठिनकवेतेलसहे ॥ तेमलकुमननपमाकोर ॥ कहजिनहरसमनकीजाइये ॥ जिणनाले
इसबापेर ॥ ८ ॥ मा० ॥ ढाल हुसी ॥ हेवकुमरइसीमनचिंतवइ ॥ मुझनकोइनायेसिमचारा ॥ जो
जइमैंछेनिणजनुमति ॥ तोमिलनहींमैंगुरुदिष्यारे ॥ १ ॥ हि० ॥ निजहाथैकेसलुंचनकरी ॥ नलो
नेमजतीतोलीओर ॥ सहुलोकासनजोसंजमजलो ॥ निजमनमांन्योतिमकीनोर ॥ २ ॥ हि० ॥ जदादेषी
मनचिंतवै ॥ एतोनेमलेइनलैगेर ॥ एहनरासमाहिवसुकवै ॥ जीमानेमीजानणीजोठोर ॥ ३ ॥
बडसंजनलरेणसुकोओ ॥ मुजआमलसताकनमुलीर ॥ तुजसुमदेमीसुमपंमता ॥ देरजाअेबु
सुलीर ॥ ४ ॥ हि० ॥ तुजनारवतीसवापदा ॥ अवलानवजोवननवेलीर ॥ कुलवंतीरहतीनिमदि
नैं ॥ तुजमुखसांमीनिरषंतीर ॥ ५ ॥ हि० ॥ रंगरातीरहतीतारे ॥ तुजवेलकदेनहीलोपेर ॥ अ
बगुलपालणनारमुं ॥ कहिनेमानाटेकोपेरे ॥ ६ ॥ हि० ॥ इमममलेजासीनहीं ॥ विणजोरनहींतुज
केहरे ॥ जिनहरसमनकानारीमिली ॥ आंणहीणआसुरेहैर ॥ ७ ॥ हि० ॥ इरसमाजोजांगंजोमीय
जोण ॥ सनुमतिदीधीमावरीबतीर ॥ तुजनेथावोकोहल्यांण ॥ सफलीथावोतुजआसनी २
संजमचढजोमनरमालो ॥ १ ॥ आ० ॥ हेवकुमरतणवचितफल्या ॥ हरख्यो निजचितमा

रे ॥ आयोगुरुकनासरताबलो ॥ साधेपरवारपरवारीर ॥ २ ॥ आ० ॥ सद्गुरुनाचरणनमीकरी
नाथेकरजोडकुमारो ॥ अवकहेलसम चोगुरुमुझनली ॥ संसारसमुद्रथीतारो ॥ ३ ॥ आ० ॥ तिहां
आचारजउचराविओ ॥ बहुतसंजनिम्मैंगुरुसाथे ॥ धनरएहआजिणसुमसजा ॥ नरनारि
मिलीइमनाथे ॥ ४ ॥ आ० ॥ नथाकहेआचारिजनली ॥ तुमथीकरुंएहनिहोरो ॥ आलेअजी
एहनेकमनिमरे ॥ मुजकालेजानाकोरो ॥ ५ ॥ आ० ॥ तपकरसांएहनेजारजो ॥ नुमानीलेजोसा
रो ॥ आमनारेओलो नही ॥ अहिमिहतलोमजबलारो ॥ ६ ॥ आ० ॥ माहरेमबीमोमहतीदी
धीछेतुमनेहाथो ॥ हिवजिमजोलेतिमराजस्यो ॥ आनीमोहराणस्याथो ॥ ७ ॥ आ० ॥ सौनलेव
वजोबहुसमादस्यो ॥ तोपालेनिरतीचारो ॥ इमलमलगाबेबहुतनली ॥ मानजससायरमारी
॥ ८ ॥ आ० ॥ इमसीबदेइनजावलो ॥ इमलीनकुमरलेसाथो ॥ जिनहरवअवलेपजलमाछली
घरमावीबयांनिरासोमसाथो ॥ ९ ॥ आ० ॥ ढालदमी ॥ सद्गुरुजीहोतुमनेकर्जकरजो
न ॥ जिरचारत्रवलेनहीं ॥ स० ॥ तपकिरीयानविशिवाइ ॥ करमबपेजेहवीसही ॥ १ ॥ स० ॥ तुम
वीअनुमतिहोय ॥ तोकुंअलणलेइबसं ॥ स० ॥ थोनकालमाअर ॥ करुंकरीसुरमदबसं ॥ स०
॥ २ ॥ मु० ॥ जिमसुमवाअेरेतुम ॥ तिमकरिदेमानुमिश्रा ॥ मुनिवरजीहो ॥ चरणगुरुनहीला
ग ॥ सकुसुभानवनानोआ ॥ मु० ॥ ३ ॥ स० ॥ आयोजिहांसमसांन ॥ बलोपसलकअतिमगधग ॥ मु०
नीहामलेबिकराल ॥ देमतांननकुजमे ॥ मु० ॥ ४ ॥ स० ॥ बनसिअबएकणनांमदीसैजम
बनमारस्यो ॥ मु० ॥ कांटालातिहांरूंस ॥ कैरकंथेरमतीरस्यो ॥ ५ ॥ मु० ॥ आवोतिहांसमसांण ॥
तिहांआवीमणसलकस्यो ॥ मु० ॥ कांटेवीध्याररपाउ ॥ ललविणलोहीकरहस्यो ॥ मु० ॥ ६ ॥ न
गपीमीपरमाल ॥ तोहीपामसमुलस्यो ॥ मु० ॥ सोत्यागीसुकमाल ॥ कठिनपदवीसहुआदस्यो ३
मु० ॥ ७ ॥ सकुसबलिणबार ॥ कीओआरिहंतसिधनै ॥ मु० ॥ धरमाचारजमानयस्योजिन

श्रीवलीसु
कमाले
३

हरखनलोमने ॥गु० ॥ ८ ॥ ढाल ॥ ७ मी ॥ तिण अवसर रूकमावती जो जुआर ॥ साबोले इम तो ताना
कालेर ॥ अमल करता ते दिहडसदिनेर ॥ अवलो सहलो देता काललर ॥ १ ॥ तिण अ० ॥ च
रणरूधरनी आवीआसनार ॥ कालसहित आवीअनमांहिरे ॥ पुरूबडेरसंचारी सोभती र
माल कालो गीतगसाहिरे ॥ २ ॥ ति० ॥ चटचट चुटेदी तें कौतकार ॥ गटगट करी बोलो ही मांसर
बटबट चरण नल बटकाननरेर ॥ लटलट तो हे ता दीमां सरे ॥ ३ ॥ ति० ॥ प्रथम पहुरा तिण जो बु
कजो बु कीर ॥ एक चरण तो तब तण कीधर ॥ सो दिन तिण बोहमां कंपो नहीर ॥ बी जो पहुर उ
मदलो धर ॥ ४ ॥ ति० ॥ सा थया दीसा घसलेसो हनेर ॥ तिण ते नकरे तिल नरराव रे ॥ का थया
या नेह असा सजीर ॥ तिम सा थयो एहथ जीवर ॥ ५ ॥ ति० ॥ ती जो पहुरे मेट बिहारी मोर ॥ जो ते
करमबिहा स्याल एर ॥ चो थे पहुर हूं आण तज़ी करीर ॥ नलना गुल मिन हूआ सुमते तरे ॥ ६ ॥ ति
सुरबेदी मेला मसभ्यो रमेरे ॥ महिमा करे स० समत अपार रर ॥ कहे जिण हूर मति ले अवसर मि
लोर ॥ बाद एअवा दीसगलो नाररे ॥ ७ ॥ ति० ॥ ढाल ॥ १० मी ॥ बीदायु ते गुरू कंनल ॥ अमवोदा सेनह
नरतार ॥ कोमनी ॥ काहा गयो मुनवरते कही ॥ उपयोगी क हूलिण आर ॥ कामनी ॥ १ ॥ बी० ॥
आआ कूलामुहूला तिहो ॥ पुण्य पोमरण सुलेहू ॥ को० ॥ हाहा ॥ कोरम रली टली ॥ उठा आसु
नानथए ॥ को० ॥ २ ॥ हीयटो पाहे हा वेसु ॥ उपाहे सिरमा के स ॥ को ॥ तिण बेपा ग ढिल कोन म
ना ॥ ससनेहा पाने कलेस ॥ को० ॥ ३ ॥ बी० ॥ एतलो दिन मी टाके तो ॥ फूली बरत धारी नरतार
को० ॥ एतलो हीसुमसअनतलो ॥ पासे नहीकरतार ॥ को० ॥ ४ ॥ बी० ॥ देवे दीधर तापलो ॥ अमेहिब
धडनिरास ॥ को० ॥ मननादु मकहो थे किमे ॥ अमन कमदीमा सुख वेहाव ॥ को० ॥ ५ ॥ बी० ॥ गुरु
पडताओ करे ॥ मांबती सुमनीसास ॥ को० ॥ कहे जिण हूरमघ रगहू ॥ बेसी सघडनिरास ॥ को० ॥
॥ ६ ॥ बी० ॥ ढाल ॥ ११ मी ॥ दुमन रसोती नारबतीस ॥ गदगद बोल वचन ॥ परली केमो हूरतेम
हा ॥ सासुसुसमुजरतन ॥ १ ॥ बलो कम्मे सुर के मो मानुसुजरीर ॥ अरेसासु ता जा मा ॥ अरे मन हा ता ना ३

अजीमनहानाया ॥ अजी नएद्दीरानीरा ॥ अजी अमोलक हीरा ॥ अजी मन मोहन आरा ॥ अजा भीजे
नीलमप्यारा ॥ दे अमीमा न मुजरोर ॥ २ ॥ नदासु गुण डुमली पडर ॥ पुत्र मरण नी बात ॥ आरपु
हरडुमनीगमा ॥ पकुली तिल ब नपरजात ॥ ३ ॥ बी० ॥ कथेरीव नहु ठतार ॥ पुत्र क लेवरे
दीठ ॥ नारीमाबरोडरनी ॥ नयणे जलधार अनीठ ॥ ४ ॥ ब० ॥ हीयडा फुटो कां नहीर ॥ जीव
कहा करेस ॥ अंतरजामी बालहा ॥ पकु ताली तेपरदेस ॥ ५ ॥ व० ॥ ५ ॥ हीयडा तुं नीठ रथयो र
फाटे ए जाणो किलो हू ॥ कललमलो थो फुटो नही ॥ तुं बालो सगण बिछोडे ॥ ६ ॥ हीयडा हूणु
कठोरी थी ॥ नुनुंमा रेट ॥ सांचल तां फुटो नही ॥ बोटी ताडू रो ते हू ॥ व० ॥ ७ ॥ डूगपर फुरी
गोरडीर ॥ डूगपर फुरी माड ॥ पीठपा उपी ज करे रहो ॥ जा बी हाजमसुरजाय ॥ ८ ॥ व० ॥ ५
घचरसा थरकलटोर ॥ हीयडा में नससाय ॥ प्रेत कार जसुत नी को थो ॥ जिन हूर मर्क
थो अकुलाय ॥ ९ ॥ व० ॥ मोरी वहू नी कहि को सम बरिजवालए ढाल ॥ सिझातेह जीसके ॥ मु
ण किसाबलतीजो थ ॥ अमुक नीनाम सुबे ॥ रहीनि चोअनिचोड ॥ १ ॥ मोरी वहिनी एसुथय
रअकाले ॥ गयो मुझ घरबोराज ॥ कुंदु षणी थोड राज ॥ मो० ॥ २ ॥ एघर मंदर के हूनां ॥ के
हूनाएथ नरासि ॥ जा आबिल सु० मो सडू ॥ केही जाबतमास ॥ ३ ॥ मो० ॥ हीसमडू थेकारमि
बिलसती कादनवार ॥ संध्या रागरलीपवे ॥ कार मोसकुमरवार ॥ ४ ॥ मो० ॥ वाजी अवाजी अ
रत णी ॥ दीसती जेम अमुल ॥ दिवस च्यार का बेमला ॥ अंतबकरसी कल ॥ ५ ॥ मो० ॥ मातमिसासु
तकोंमती ॥ संजोग मिली आ माया ॥ ता बेमिली थान हरला ॥ ता बेबी सर जाय ॥ ६ ॥ मो० ॥ सुपन
में जे रेकर ॥ अनपाल माजुरी सेठ ॥ जागी नोत बविण ली करो ॥ देषे मांथा हेठ ॥ ७ ॥ मो० ॥ सु 4

अवंती सुकुमाल ८

नवदेव मनमां समरो ॥ सकृ देसी ढोली ढ ॥ कहै जिनहरष मवरा जी थो ॥ सातपुव कवि सरले ह ॥ ८८ ॥ मी० ॥
ढाल १३ मी ॥ धुल कहै मोल जी मुझपरहैसी ८० ॥ नगर घर स्मवीद समना स ॥ गरन वती घरनामे जी
अमन वकपोल गुरु समीमै ॥ नवत अमनसरस चामे जी ॥ ८१ ॥ मी० ॥ मंचम हो जुत सुभ मामले ॥ इन
लसमालाटाले जी ॥ इकरतमकरस्का यामाले ॥ कलेन लमानम बालजी ॥ ८२ ॥ मी० ॥ मंतल
लसकृ अलसल लेड ॥ तजकदा रिक दे हो जी ॥ देवसुमना सुभ लहै सी ॥ चारत्र नापकल ए ही
जी ॥ ८३ ॥ मी० ॥ केमै गरन वती सुत जाणे ॥ देवलतिले करावो जी ॥ पिता मरल माहो म सुह
यो ॥ महेकाल कहायो जी ॥ ८४ ॥ मी० ॥ मासजिले सरकृतिमाम्यावी ॥ कुमतिलता जिल कावि
जी ॥ कोरत जेहनी सगले व्यापी ॥ सुरजने मनम्रता पीजी ॥ ८५ ॥ मी० ॥ संवतसत तरै कृकताव्यमी स
सुकल पखमानत्रसात कही सै रे ॥ राजनगर तिसमाव मदी सै ॥ कामा मिरा अजपा सैजी ॥ ८६ ॥ मी० ॥
अवंती सुकुमाल मला जो ॥ मधुरस वैरे गुणगावै जी ॥ तेजिनहरष वतवलकंदा वै ॥ संतर
रमसुख मावैजी ॥ ८७ ॥ इति श्री अवंती सुकुमाल चौपई संपु
र्ण ॥ लिखतं ... कालद्रावनमध्ये समस्त ... मारासतीनासीक सामै ॥

८